भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- †6309

उत्तर देने की तारीख- 02/04/2026

वन धन योजना का कार्यान्वयन

†6309. डॉ. विनोद कुमार बिंद:

श्रीमती हिमाद्री सिंहः

श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी:

सुश्री कंगना रनौतः

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी:

श्री प्रताप चंद्र षडङ्गी:

श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशन:

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) लघु वन उत्पादों के मूल्यवर्धन को बढ़ावा देने के लिए वन धन योजना के अंतर्गत कितने वन धन विकास केन्द्र और जनजातीय स्वयं सहायता समूह स्थापित किए गए हैं;

(ख) भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ (ट्राइफेड) द्वारा समर्थित नेटवर्कों के माध्यम से प्रशिक्षण, जनजातीय उत्पादों के प्रसंस्करण, ब्रांडिंग और विपणन के लिए क्या पहल की गई है;

(ग) जनजातीय उत्पादों को डिजिटल बाज़ारों और संस्थागत खरीदारों से जोड़ने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) जनजातीय वन उत्पाद संग्रहण करने वालों के लिए आय सृजन पर इस योजना का क्या प्रभाव पड़ा है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्यमंत्री
(श्री दुर्गादास उइके)

(क): जनजातीय कार्य मंत्रालय वन धन विकास केंद्रों की स्थापना के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन (पीएमजेवीएम) और प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) की योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। आज की तारीख में, पीएमजेवीएम योजना के अंतर्गत 12.48 लाख जनजातीय सदस्यों को जोड़ते हुए 4,172 वीडीवीके

को मंजूरी दी गई है, जबकि देश भर में पीएम जनमन के तहत लगभग 0.46 लाख जनजातीय सदस्यों को जोड़ते हुए 540 वीडीवीके को मंजूरी दी गई है।

(ख): वीडीवीके के लिए प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता में कच्चा माल, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, उपकरण किट और मशीनरी, पैकेजिंग तथा ब्रांडिंग, परिवहन, भंडारण आदि के लिए सहायता शामिल है, ताकि उन्हें जनजातीय समुदायों के बीच आजीविका सृजन के लिए व्यवहार्य उद्यमों के रूप में स्थापित किया जा सके।

(ग): पीएमजेवीएम योजना के अंतर्गत ट्राइफेड भी जनजातीय समुदायों के लिए आजीविका के अवसर सृजित करने के लिए जनजातीय कारीगरों/उत्पादकों को सूचीबद्ध करता है और उनसे विभिन्न जनजातीय उत्पादों की खरीद करता है। सूचीबद्ध आपूर्तिकर्ताओं में व्यक्तिगत जनजातीय कारीगर, जनजातीय एसएचजी और एनजीओ/एजेंसियां/सहकारी समितियां/संगठन शामिल हैं, जो जनजातियों के साथ कार्य कर रहे हैं। ट्राइफेड, देश भर में, अपने 116 ट्राइब्स इंडिया आउटलेट्स, ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों तथा आदि महोत्सव, आदि बाजार आदि जैसी प्रदर्शनियों के माध्यम से अपने जनजातीय उत्पादों का खुदरा विपणन करता है। ट्राइफेड ने घरेलू और अंतर राष्ट्रीय ग्राहकों दोनों के लिए लक्षित अपने स्वयं के इन-हाउस ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म www.tribesindia.com को तैयार और विकसित किया है। वर्तमान में, नई ट्राइब्स इंडिया वेबसाइट पर लगभग 6,000 उत्पाद उपलब्ध हैं और इसमें और अधिक उत्पादों को भी जोड़ा जा रहा है। इसके अलावा, ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) प्लेटफॉर्म के माध्यम से 1000 से अधिक जनजातीय उत्पादों की बिक्री की जा रही है।

(घ): आज की तारीख में, पीएमजेवीएम योजना के अंतर्गत, कुल स्वीकृत वीडीवीके में से 2,817 वीडीवीके के संचालित होने की सूचना प्राप्त हुई है, जिनमें 15,829.88 लाख रुपये की बिक्री रिपोर्ट की गई है; जबकि पीएम जनमन योजना के वीडीवीके घटक के तहत, कुल स्वीकृत वीडीवीके में से 491 वीडीवीके के संचालित होने की सूचना प्राप्त हुई है, जिनमें 527.37 लाख रुपये की बिक्री रिपोर्ट की गई है।

*****